

## भारत मालदीव संबंध

### प्रलिस के ललल:

भारत मालदीव संबंध, वजरुन बौध धरु, नेबरहुड फरसु, ऑपरेशन कैकुस

### मेनुस के ललल:

भारत और मालदीव के बीच परुतन से संबंधतल वरुतमान कुतलएँ, भारत और मालदीव संबंधों के प्रुमुख पहलू

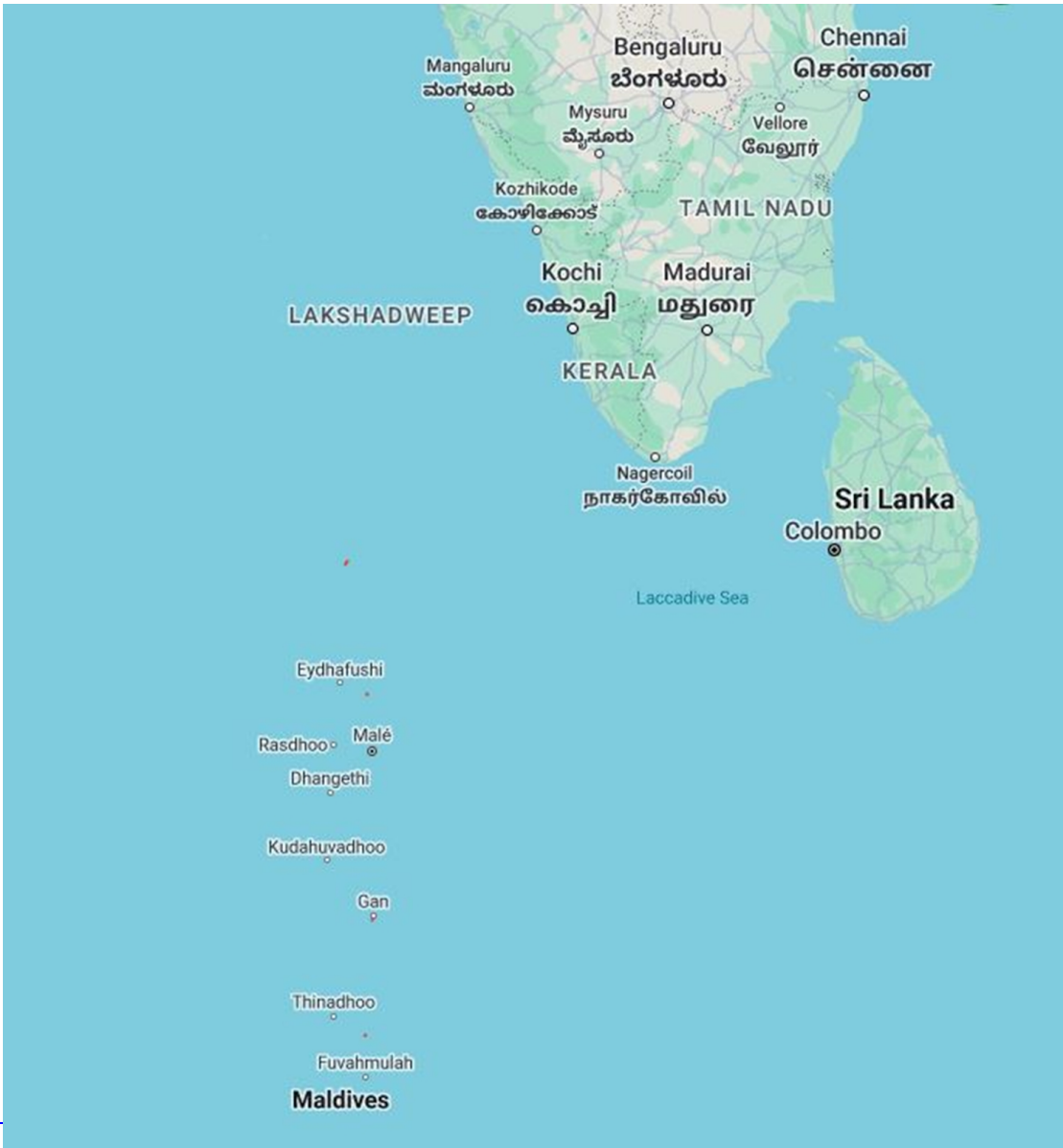
### करुा में कुुओं?

**मालदीव** ने हाल ही में खुद को **राजनकु उथल-पुथल** के बीच पाया है, कुसलसे गैर-राजनकु टपुपणुीं, सैनुु सुथतल और **महतुतुवरुण समझुीतुं** को रदु करने के माधुुम से भारत के साथ अपने संबंधुं को लेकर कुतलएँ बढु गई हैं ।

- मालदीव ने भी **कुन** के साथ **नए समझुीतुं पर हसुतकुषर कुतल** हैं, कुसलसे भू-राजनीतकु परदुशु और कुतलल हु गया है ।

### भारत और मालदीव संबंधुं से संबंधतल प्रुमुख बढु कुुा हैं?

- **ऐतहलसकु संबंध:** कुब अंगुरेकुं ने दुुीपुं कु नरुतुरण कुुड दतल थल तुब से भारत और मालदीव के बीच **राजनकु और राजनीतकु संबंध वरु 1965** से रहे हैं ।
  - वरु 2008 में लुकतुंतुरकु परवरुतन के बाद से, भारत ने मालदीव में राजनीतकु, सैनुु, वुतलर और नलगरकु समाकु के लुगुं सहतल वभलनुन हतलधलरकुं के साथ गहरे संबंध बनाने में वरुुं कु नवलश कुतल है ।



#### ■ भारत के लिये मालदीव का महत्त्व:

- सामरिक स्थान: भारत के दक्षिण में स्थिति, मालदीव [हिंद महासागर](#) में अत्यधिक रणनीतिक महत्त्व रखता है, जो अरब सागर और उससे आगे के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
  - इससे भारत को समुद्री यातायात की नगिरानी करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने की अनुमति मिलती है।
- सांस्कृतिक संबंध: भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराना गहरा सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक संबंध है।
  - 12वीं शताब्दी के पूर्वार्ध तक, बौद्ध धर्म मालदीव में प्रमुख धर्म था।
    - [वज्रयान बौद्ध धर्म](#) का एक शिलालेख है, जो प्राचीन काल में मालदीव में मौजूद था।
- क्षेत्रीय स्थायित्व: एक स्थिर और समृद्ध मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में शांति तथा सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली भारत की "[नेबरहुड फरसट](#)" नीति के अनुरूप है।

#### ■ मालदीव के लिए भारत का महत्त्व:

- आवश्यक आपूर्ति: भारत चावल, मसालों, फलों, सब्जियों और दवाओं सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है।
  - भारत सीमेंट और रॉक बोल्टर जैसी सामग्री प्रदान करके मालदीव के बुनियादी ढाँचे के निर्माण में भी सहायता करता है।
- शिक्षा: भारत मालदीव के उन छात्रों के लिये प्राथमिक शिक्षा प्रदाता के रूप में कार्य करता है जो भारतीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, जिसमें योग्य छात्रों के लिये छात्रवृत्ति भी शामिल है।
- आपदा सहायता: जब भी कोई संकट आया, जैसे- [सुनामी](#) या [पेयजल की कमी](#), भारत ने लगातार सहायता प्रदान की है।
  - कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं एवं समर्थन का प्रावधान एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को प्रदर्शित करता है।
- सुरक्षा प्रदाता: भारत का सुरक्षा सहायता प्रदान करने में [ऑपरेशन कैक्टस](#) के माध्यम से वर्ष 1988 में तख्तापलट के प्रयास के दौरान हस्तक्षेप करने तथा मालदीव की सुरक्षा के लिये संयुक्त नौसैनिक अभ्यास आयोजित करने का इतिहास रहा है।

- संयुक्त अभ्यासों में शामिल हैं- "एकुवेरनि", "दोस्ती" एवं "एकथा" ।
- मालदीव में पर्यटन: कोविड-19 महामारी के बाद से, भारतीय यात्रियों ने मालदीव के मुख्य स्रोत बाज़ार में अग्रणी भूमिका नभाई है। वर्ष 2023 में कुल 18.42 लाख यात्राओं के साथ, उन्होंने सभी पर्यटकों का उल्लेखनीय 11.2% प्रतनिधित्व किया ।

नोट: 8 डगिरी चैनल भारतीय मनिक्कॉय (लक्षद्वीप द्वीप समूह का हिस्सा) को मालदीव से अलग करता है ।

## INDIANS TRAVELLING TO THE MALDIVES

	Tourist	Share*
2023	2,06,026	11.18%
2022	2,41,382	14.41%
2021	2,91,787	22.07%
2020	62,960	11.33%
2019	1,66,030	9.75%
2018	90,474	6.10%

Source: Ministry of Tourism,  
Republic of Maldives  
\* share of total arrivals

### भारत मालदीव संबंधों से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **इंडिया-आउट अभियान:** हाल के वर्षों में मालदीव की राजनीति में "इंडिया आउट" मंच पर केंद्रित एक अभियान देखा गया है, जिसमें भारतीय उपस्थिति को मालदीव की संप्रभुता के लिये खतरा बताया गया है।
  - अभियान के प्रमुख बड्डिओं में भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग शामिल है ।
  - मालदीव के वर्तमान राष्ट्रपति ने भारतीय सैनिकों की वापसी के लिये 15 मार्च, 2024 की समय-सीमा निर्धारित की है ।
- **पर्यटन दबाव:** लक्षद्वीप द्वीप की प्रचार यात्रा के बाद भारत के प्रधानमंत्री पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों से उत्पन्न राजनयिक विवाद के कारण लक्षद्वीप का पर्यटन उद्योग गहन जाँच के दायरे में आ गया है ।
  - परिणामस्वरूप, विवाद की प्रतिक्रिया के रूप में सोशल मीडिया पर मालदीव के बहिष्कार का चलन चल रहा है ।
- **मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव:** मालदीव में चीनी लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है । मालदीव के रणनीतिक महत्त्व, भारत से निकटता एवं महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों के कारण चीन मालदीव के साथ अग्रगामी जुड़ाव में अधिक रुचि ले सकता है ।
  - भारत इसे लेकर असहज है और साथ ही इससे क्षेत्र में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छड़ि सकती है ।

### चीन-मालदीव के बीच हुए हालिया समझौतों के मुख्य नषिकर्ष क्या हैं?

- **द्विपक्षीय संबंधों में बेहतरि:**
  - चीन और मालदीव ने अपने देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी तक वसितारित करने की घोषणा की जो उनके संबंधों में बढ़ती भागीदारी को प्रदर्शित करता है ।
- **प्रमुख समझौते:**
  - **बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि:** इसका उद्देश्य राष्ट्रों द्वारा संयुक्त रूप से बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि पर सहयोग योजना के निर्माण में तेज़ी लाने हेतु प्रेरित करना है जिससे कनेक्टिविटी तथा बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा मल्लिगा ।

- **पर्यटन सहयोग:** दोनों देशों ने मालदीव की अर्थव्यवस्था के लिये इसके महत्त्व को पहचानते हुए पर्यटन क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।
- **आपदा जोखिम न्यूनीकरण:** इस समझौते के तहत आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सहयोग करना शामिल है जिसमें प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिये संयुक्त प्रयासों पर जोर दिया गया है।
- **नीली अर्थव्यवस्था:** दोनों देशों ने समुद्री संसाधनों के सतत् उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिये अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था:** इसके तहत डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश को सुदृढ़ करने के प्रयासों को रेखांकित किया गया।
- **आर्थिक सहायता:**
  - चीन ने अनुदान सहायता प्रदान करके मालदीव की सहायता की, हालाँकि प्रदान की गई वशिष्ट नधिका खुलासा नहीं किया गया।
    - ये समझौते चीन-मालदीव व्यापार के महत्त्व पर भी प्रकाश डालते हैं। वर्ष 2022 में द्विपक्षीय व्यापार कुल 451.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

## नषिकर्ष

मालदीव सरकार द्वारा संबद्ध मंत्रियों को नलिंबति करके त्वरति कार्रवाई करना संकट का समाधान करने के प्रयास को दर्शाता है। अतः दोनों देशों को वशिवास बहाल करने हेतु नयिमति राजनयकि वार्ता करनी चाहयि। साझा मुद्दों पर सहयोग करना, शकियतों का समाधान करना एवं लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर बल देना जसिसे दोनों देश लाभान्वति हुए हैं जो राजनयकि समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न

मेन्स:

प्रश्न. पछिले दो वर्षों में मालदीव में राजनीतिक विकास पर चर्चा कीजयि। क्या वे भारत के लयि चति का कोई कारण हो सकते हैं? (2013)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-maldives-relations-3>